ईस्टर्न पेरफिेरल एक्सप्रेस-वे एवं दल्लिी-मेरठ एक्सप्रेस-वे राष्ट्र को समर्पति

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दल्लिी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दो नवनर्मिति एक्सप्रेस-वे राष्ट्र को समर्पति कयि। इनमें से पहला दल्लिी-मेरठ एक्सप्रेस-वे का 14 लेन, एक्सेस नयिंत्रति प्रथम चरण है जो नज़िामुद्दीन पुल से दल्लिी यूपी सीमा तक फैला हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग का 8.360 कमिी. का यह हस्सिा लगभग 841.50 करोड़ रुपए की लागत से 30 महीनों की अपेक्षति नर्मिाण अवधि के मुकाबले 18 महीनों के रकिॉर्ड समय में तैयार हुआ है। इसमें 6 लेन का एक्सप्रेस-वे और 4 + 4 की सर्वसि लेन शामलि हैं।

- इस परयिोजना का शलिान्यास माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 31 दसिंबर, 2015 को कयिा गया था।

लक्ष्य

- दल्लिी-मेरठ एक्सप्रेस-वे परयिोजना का लक्ष्य दल्लिी एवं मेरठ के बीच तथा इससे और आगे, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के साथ तेज़ एवं सुरक्षति संपर्क उपलब्ध कराना है।

मुख्य वशिेषताएँ

- इस परयिोजना की कुल लंबाई 82 कमिी. है जसिमें से शुरुआती 27.74 कमिी. की लंबाई 14 लेन की होगी, जबकि शेष 6 लेन का एक्सप्रेस-वे होगा। इस परयिोजना पर 4975.17 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है।
- यह ऐसा पहला एक्सप्रेस-वे होगा, जसिमें दल्लिी एवं डासना के बीच लगभग 28 कमिी. के खंड पर समर्पति बाइसाइक्ल ट्रैक होगा।
- इस परयिोजना में 11 फ्लाईओवरों/इंटरचेंज, 5 बड़े एवं छोटे पुल, तीन रेल ओवरब्रजि, 36 वाहनों के लयि तथा 14 पैदल यात्रयिों के लयि अंडरपास होंगे।
- पूरी परयिोजना के संपन्न हो जाने के बाद दल्लिी से मेरठ जाने में केवल 60 मनिट लगेंगे।

राष्ट्र को समर्पति की जाने वाली दूसरी परयिोजना

- राष्ट्र को समर्पति यह देश की दूसरी परयिोजना ईस्टर्न पेरफिेरल एक्सप्रेस-वे (Eastern Peripheral Expressway - EPE) है जो राष्ट्रीय राजमार्ग 1 पर कोंडली से राष्ट्रीय राजमार्ग 2 पर पलवल तक 135 कमिी. लंबा खंड है।
- प्रधानमंत्री ने इस परयिोजना के लयि शलिान्यास 5 नवंबर, 2015 को कयिा था।
- पश्चमिी एवं पूर्वी दल्लिी से राष्ट्रीय राजमार्ग 1 एवं राष्ट्रीय राजमार्ग 2 को जोड़ते हुए वेस्टर्न पेरफिेरल एक्सप्रेस-वे (Western Peripheral Expressway - WPE) एवं ईस्टर्न पेरफिेरल एक्सप्रेस-वे (Eastern Peripheral Expressway - EPE) से नर्मिति दल्लिी के चारों ओर पेरफिेरल एक्सप्रेस-वे (Peripheral Expressways) की परयिोजना की परकिल्पना ऐसे ट्रैफकि को डायवर्ट करने (जनिका गंतव्य दल्लिी नहीं हैं) तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को भीड़-भाड़ एवं प्रदूषण से बचाने के लयि की गई है।
- EPE के लयि लगभग 5900 करोड़ रुपए की लागत से कुल 1700 हेक्टेयर भूमकिा अधग्रिहण कयिा गया है।
- परयिोजना की नर्मिाण लागत लगभग 4617.87 करोड़ रुपए है। एक्सप्रेस-वे लगभग 500 दनिों के रकिॉर्ड समय में तैयार हो गया है, जबकि नर्धिारति लक्ष्य 910 दनिों का था।
- एक्सप्रेस-वे में 4 बड़े पुल, 46 छोटे पुल, तीन फ्लाईओवर, 7 इंटरचेंज, 221 अंडरपास, 8 आरओबी एवं 114 पुलयिा (कल्वर्ट) हैं।
- इस परयिोजना ने लगभग 50 लाख मानव दविसों के लयि रोज़गार की संभावनाएँ सृजति की हैं।

पैकेज की संख्या	पैकेज का वविरण
I.	नज़िामुद्दीन ब्रजि से यूपी सीमा तक (0.000 कलिोमीटर से 8.360 कलिोमीटर) 6-लेन एक्सप्रेस-वे और 4 + 4 सर्वसि लेन यानी 14-लेन सुवधिा
II.	यूपी सीमा से डासना तक

	(8.360 किलोमीटर से 27.740 किलोमीटर = 19.28 किलोमीटर) 6 लेन एक्सप्रेस-वे और 4 + 4 सेवा लेन यानी 14-लेन सुविधा
III.	डासना से हापुड़ तक (27.740 किलोमीटर से 49.346 किलोमीटर = 22.27 किलोमीटर) 6 लेन का एनएच 24, दोनों तरफ 2 लेन का सेवा सड़कों के साथ
IV.	दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे का ग्रीन-फील्ड संरेखण डासना से मेरठ तक (27.740 किलोमीटर से 59.983 किलोमीटर = 31.78 किलोमीटर) - 6 लेन का एक्सप्रेस-वे

सौर बिजली का उपयोग

- यह देश का ऐसा पहला एक्सप्रेस-वे है जिसमें पूरी 135 किमी. की लंबाई में सौर बिजली का उपयोग किया गया है।
- अंडरपासों को रौशन रखने, वॉटरिंग प्लांटों के लिये सौर पंपों के परिचालन के लिये इस एक्सप्रेस-वे पर 4000 किलोवॉट (4 मेगावॉट) की क्षमता के आठ सौर बिजली संयंत्र हैं।
- EPE पर प्रत्येक 500 मीटर पर वर्षा जल संचयन का प्रावधान किया गया है तथा पूरे EPE पर ड्रिप सिंचाई भी है।
- भारतीय संस्कृति एवं विरासत को प्रदर्शित करती स्मारकों की 36 प्रतिकृतियाँ भी हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/narendra-modi-opens-eastern-peripheral-expressway